VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS 19 AUG 2019 RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE: 1433)

Name of Candidate	Ravi Gangwar		
Medium Eng./Hindi	Hindi	Registration Number	121488
Center	Mukherjee Nagar	Date	19/8/19

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	
13	20	
14	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **FOURTEEN** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें चौदह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

1433

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – A

Answer the following questions in not more than 150 words each:

1. Given below are two quotations. For each of these bring out what it means to you in the present context.

नीचे दो उद्धरण दिए गए हैं। इनमें से प्रत्येक का वर्तमान संदर्भ में आपके लिए क्या महत्व है, स्पष्ट कीजिए।

(a) The golden rule of conduct is mutual toleration, seeing that we will never all think alike and we shall always see Truth in fragment and from different points of vision. Mahatma Gandhi. **10**

यह जानते हुए कि हम सब एक जैसा नहीं सोचेंगे और हम सदैव सत्य को खंडों में और विभिन्न दृष्टिकोणों से देखेंगे, आचरण का सुनहरा नियम पारस्परिक सहिष्णुता है। महात्मा गांधी।

उपर्युक्त तथ्य जैन धर्म के स्यादवाद से अभिप्रेरित है। जिसके मूल में किसी भी वस्तु या ज्ञान का निरपेक्ष न होकर सापेक्ष होना है। इसी कारण सत्य का भी पक्ष किसी व्यक्ति के लिए कुछ भी हो सकता है। यह उसकी भौतिक, मानसिक परिस्थितियों पर निर्भर करेगा।

इस तथ्य का आधुनिक समय में बहुत महत्व है। जहाँ कट्टरता तथा असहिष्णुता बढ़ती जा रही है। व्यक्ति

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

केवल खुद के पक्ष को सही समझता है। और इसलिए दूसरों के विचारों तथा उसके पक्ष को जानने का प्रयास भी नहीं करता है। फलस्वरूप समाज में भीड़ द्वारा हत्या, आतंकवाद जैसी घटनाओं में वृद्धि हो रही है।

यदि हम सहिष्णुता के नियम का पालन करते हुए विभिन्न व्यक्तियों के विचारों को समझेंगे तो न केवल नये विचारों का सृजन होगा अपितु मानव समाज में हिंसा, क्रोध आदि की समाप्ति भी होगी।

शायद इसीलिए स्यादवाद के सापेक्षिक नियम का महात्मा गांधी पर इतना व्यापक प्रभाव पड़ा और इन्होंने इसे अपने जीवन में उतारा और सम्पूर्ण भारत को प्रभावित भी किया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. **(b)** The mind of the superior man is conversant with righteousness; the mind of the mean man is conversant with gain. Confucius. **10**

श्रेष्ठतर व्यक्ति की बुद्धि न्याय परायणता में दक्ष होती है; जबकि तुच्छ व्यक्ति की बुद्धि लाभोन्मुख होती है। कन्फ्यूशियस।

उपर्युक्त तथ्य नीति मीमांसा के क्षेत्र में मूल्यों की भूमिका को स्पष्ट करता है। इसके अनुसार जो व्यक्ति सद्‌गुणों से परिपूर्ण है वह सदैव न्याय के पक्ष में होगा जबकि लोभी मनुष्य का मस्तिष्क तुच्छ अवगुणों से भरा रहता है।

इस तथ्य के द्वारा आज की दुनिया में व्याप्त भ्रष्टाचार, हिंसा, अपराध आदि को समझा जा सकता है। वस्तुतः जो व्यक्ति अपने क्षणिक लाभ से प्रेरित होकर ऐसे कार्य करते हैं। उनके कारण समाज में अशांति का प्रसार होता है।

इसलिए ही हमें व्यक्ति के अन्दर लालच, भय, ईर्ष्या जैसे अवगुणों के

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

स्थान पर साहस, परोपकार, ईमानदारी जैसे गुणों को सिखाना चाहिए ताकि वह श्रेष्ठ व्यक्ति बन सके तथा अपनी बुद्धि के इस्तेमाल से वंचित वर्गों के कल्याण को कर सकें। आधुनिक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा में सिविल सेवकों के सन्दर्भ में इस कथन का बहुत महत्व है।

इसी प्रकार तुच्छ व्यक्ति जो अपना लाभ ही देखता है। उसके कारण प्रकृति असंतुलन जैसी समस्यायें भी प्रकट हो रहीं है जिसमें मनुष्य की स्वार्थी प्रवृत्ति प्रमुख कारण है। अतः मनुष्य की इस प्रवृत्ति पर भी नियंत्रण लगाना होगा। ताकि व्यक्ति प्रकृति संरक्षण पर ध्यान दे।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(a)** Impersonal management, a characteristic feature of a Weberian bureaucracy, develops over time into indifference, especially with regard to weaker sections of the society. Critically discuss. **10**

वेबर की नौकरशाही की एक विशिष्ट विशेषता, अवैयक्तिक प्रबंधन, समय के साथ विशेष रूप से समाज के कमजोर वर्गों के संबंध में उदासीनता के रूप में विकसित हो जाती है। समालोचनात्मक चर्चा कीजिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(b)** In pursuit of political power, means are often compromised that leads to competitive reliance on unethical practices resulting in erosion of public trust. Discuss. **10**

राजनीतिक सत्ता के अनुसरण में, प्राय: साधनों से समझौता किया जाता है जिससे अनैतिक व्यवहारों के प्रति प्रतिस्पर्धात्मक निर्भरता पैदा होती है, जिसके परिणामस्वरूप सार्वजनिक विश्वास का क्षरण होता है। चर्चा कीजिए।

राजनीति के सन्दर्भ में चाणक्य का कथन कि भले ही जल की मछली हवा में उड़ने लगे किन्तु राजनीति में भ्रष्टाचार न हो ऐसा नही हो सकता। इसके द्वारा यह समझा जा सकता है कि राजनीति में विजय हेतु सभी दल अनैतिक तथा नैतिक कार्यों का सहारा लेते है।

इसे दूसरे अर्थ में साम, दाम, दण्ड, भेद के तरीके कहा गया है। जिसके परिणामस्वरुप विजय के पश्चात इन साधनों के प्रयोग की कीमत भी चुकानी पड़ती है और समाज कल्याण तथा जनता की भलाई के

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

स्थान पर सार्वजनिक संसाधनों का प्रयोग कुछ समूह विशेष के हितों में करना पड़ता है।

जब यही संसाधनों का दुरुपयोग जनता के सामने आता है तो जनता का राजनीतिक शासन तथा प्रशासन से अपेक्षा कम हो जाता है और शायद इसलिए ही वह सरकार को बदल कर अपने अविश्वास का प्रदर्शन भी करती है।

इस प्रकार यदि राजनीति के सन्दर्भ में, गाँधी जी का कथन कि "साधन तथा साध्य दोनों की पवित्रता जरूरी होती है"; का अनुपालन किया जाये तो जनकल्याणकारी कार्यों की सफलता के साथ-साथ जनता का विश्वास भी बना रहेगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (a) It takes more than a corporate governance policy to inspire ethical behavior and sustain a truly ethical workplace. Discuss. 10

नैतिक व्यवहार को प्रेरित करने और कार्यस्थल को सही अर्थों में नीतिपरक बनाए रखने हेतु कॉर्पोरेट शासन नीति से कहीं अधिक की आवश्यकता है। चर्चा कीजिए।

"कोई भी संस्था उतनी ही नैतिक होती है, जितना कि उसका नेतृत्व"। इस तथ्य से स्पष्ट है कि संस्था के व्यक्तित्व का परिचय उसके नेतृत्व द्वारा दिया जाता है।

इस प्रकार यदि किसी संस्था में व्यक्तियों को नैतिक बनाने तथा कार्यस्थल पर अनुशासन का निर्माण करने हेतु कार्पोरेट शासन नीति बना दी गयी तो उससे बहुत सुधार नहीं आयेगा। इसके नीतिगत स्तर पर ज्यादा सुधार होगा न कि व्यवहारिक स्तर पर।

व्यवहारिक स्तर पर प्रभावी सुधारों हेतु इस तरह की नीति का

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अनुपालन सुनिश्चित करना होगा। नेतृत्व कारी समूह को आगे आकर अपने व्यवहार में सुधार दिखाना होगा। अच्छा वेतन भुगतान, महिलाओं के प्रति सम्मान, आपसी भाईचारा तथा सहयोग के वातावरण की निर्मिति करना होगा।

इसी प्रकार नेतृत्व तथा अधीनस्थों में सौहार्दता का सम्बन्ध होना चाहिए तथा नेतृत्वकर्ता का भावनात्मक रूप से बुद्धिमान होना भी आवश्यक है ताकि जटिल परिस्थितियों का आसानी से तथा सहजता से प्रबंधन किया जा सके।

इस प्रकार कार्पोरेट नीति के साथ नैतिक तथा नागरिक संहिता भी इस विषय में मददगार साबित हो सकती है।

3. **(b)** "Law should be so succinct that it can be carried in the pocket of the coat and it should be so simple that it can be understood by a peasant." Discuss. **10**

"विधि इतनी सारगर्भित (संक्षिप्त) होनी चाहिए कि इसे कोट की जेब में रखा जा सके और इसे इतना सरल होना चाहिए कि इसे एक किसान भी समझ सके।" चर्चा कीजिए।

लोकतंत्र के तहत सबसे महत्वपूर्ण होता है, विधि का शासन ताकि सर्वोदय की अवधारणा को पूरा किया जा सके।

विधि का शासन अपने आप में तभी सम्पूर्ण माना जायेगा जब न केवल उसका निर्माण उचित तरीके से हो बल्कि उसका अनुपालन भी। इसी वजह से कहा जाता है कि विधि जितनी सरल भाषा में होगी उतना ही अच्छा।

विधि यदि कठिन भाषा में है, तो इसे वंचितों द्वारा समझना मुश्किल होगा और उन्हें अपने वास्तविक अधिकारों के बारे में पता

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

ही नहीं चलेगा और यदि विधि सारगर्भित न होकर ज्यादा विस्तार-कारी होगी तो भी उसका कोई फायदा नहीं होगा।

इसीलिए विधि के स्वरूप को छोटा रखना तथा समझ में आने लायक रखने से उसकी पहुँच तथा प्रभाविता में वृद्धि होती है। और उसके निर्माण का मूल उद्देश्य जो कि सभी व्यक्तियों का कल्याण है। (जिसमें अनपढ़, मजदूर किसान भी शामिल हैं) प्रभावी तरीके से पूर्ण होगा।

हालांकि विधि इतनी भी सारगर्भित नहीं होनी चाहिए कि इसके अनेकों सार निकले और उनमें आपस में ही अन्तर्विरोध पैदा हो जाये अर्थात् उनमें एक संतुलन की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (a) Ethics in international relations has the potential to cater to the diplomatic challenges of 21st century. Examine. **10**

अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के परिप्रेक्ष्य में नीतिशास्त्र में 21वीं सदी की कूटनीतिक चुनौतियों से निपटने का सामर्थ्य है। परीक्षण कीजिए।

अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में आज राष्ट्र के हित ज्यादा प्रमुख हो गये हैं। इसी से सारे सम्बन्ध निर्धारित हो रहे हैं। फिर चाहे अमेरिका का पेरिस सन्धि से निकलना हो या फिर ब्रिटेन का ब्रेक्सिट।

नीतिशास्त्र में आधारभूत मूल्यों के तौर पर सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, कल्याण की भावना, उपयोगितावाद जैसी अवधारणायें हैं जिनके अनुपालन द्वारा आज अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में ज्यादा सफलता नहीं पायी जा सकती है।

इसकी प्रमुख वजह है कि आज के इस वैश्वीकरण के युग में प्रतिस्पर्धा का स्तर बहुत ऊँचा हो

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

गया है। जिसके कारण राष्ट्र तथा व्यक्ति अनैतिक सेवाओं का भी प्रयोग कर रहे हैं, और सफलता को प्राप्त करने का प्रयास कर रहे हैं।

किन्तु यह सफलता तथा सम्बन्धों में स्थायित्व क्षणिक ही होगा। यदि अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों में ज्यादा स्थायित्व तथा वैश्विक हित की अवधारणा शामिल करनी है तो परंपरागत नीतिशास्त्र का अनुपालन करना ही होगा।

जब तक अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में राष्ट्रहित तथा व्यक्तिवाद के स्थान पर अंतर्राष्ट्रीय हित तथा मानववाद नहीं आयेगा तब तक यह अस्थिरता विद्यमान रहेगी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(b)** Nolan Committee provides for one of the most comprehensive statements of what constitutes ethical standards for holders of public office. Elaborate. **10**

सार्वजनिक पदधारकों के लिए नैतिक मानक क्या हैं, नोलन समिति इसका एक सर्वाधिक विशद विवरण प्रदान करती है। सविस्तार वर्णन कीजिए।

सार्वजनिक पदधारकों में सिविल सेवक, राजनीतिक अधिकारी तथा लोक प्रशासक शामिल होते हैं।

चूंकि इनके हाथ में शक्ति तथा धन का केन्द्रण होता है। इसके चलते ही इनके लिए नैतिक प्रतिमानों की आवश्यकता ज्यादा है ताकि ये उस शक्ति तथा धन से जनता का कल्याण करें न कि स्वहित, अथवा इसका दुरुपयोग करें।

नोलन समिति द्वारा इस सन्दर्भ में विविध अनुशंसाये प्रकट की गयी। जिनका मूल उद्देश्य इन पदधारकों में नैतिक मूल्यों का विकास करना था ताकि इनकी कर्तव्य

परायणता बनी रहे।

समिति ने कहा था कि सार्वजनिक पदधारकों को जनता के प्रति संवेदनशील तथा सहिष्णु होना चाहिए तथा सार्वजनिक पदधारक को अनिवार्य रूप से भावनात्मक रूप से बुद्धिमान भी होना चाहिए।

सार्वजनिक पदधारक को व्यक्तिगत हित से ऊपर सार्वजनिक हितों को रखना चाहिए तथा उसके अन्दर सेवा भावना, करुणा, सत्यनिष्ठा जैसे गुणों का समावेश होना चाहिए ताकि कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को पूरा किया जा सके।

इस प्रकार नोलन समिति सार्वजनिक हितधारकों हेतु, एक व्यापक नैतिक संहिता के निर्माण की वकालत करती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (a) The sharper the socio-economic disparities, the greater the incentive towards corruption. Analyse. **10**

सामाजिक-आर्थिक विषमताएं जितनी तीक्ष्ण होंगी, भ्रष्टाचार के प्रति प्रोत्साहन उतना ही अधिक होगा। विश्लेषण कीजिए।

भ्रष्टाचार की अवधारणा में व्यक्ति अपने अधीन विवेकाधीन शक्तियों तथा प्रशासनिक तथा विधिक उत्तरदायित्वों की पूर्ति हेतु अनुचित धन या सुविधा की माँग करता है।

जिस समाज में सामाजिक आर्थिक विषमता ज्यादा होगी वहाँ पर भ्रष्टाचार होने की ज्यादा संभावनाएँ है; क्योंकि

i) सामाजिक - आर्थिक रूप से पिछड़ा व्यक्ति नैतिक तथा अनैतिक किसी भी तरीके से खुद का विकास चाहेगा।

ii) सामाजिक तथा आर्थिक रूप से पिछड़े व्यक्ति के पास जानकारी तथा अपने अधिकारों के बारे में जागरूकता

का अभाव पाया जाता है। जिसका अनुचित लाभ प्रशासन उठाता है।

iii) इसी प्रकार सरकार द्वारा जब विषमता को दूर करने हेतु कदम उठाये जाते हैं, तो लाभार्थी पहचान आदि के लिए लोगों से धन लिया जाता है।

iv) धन की अत्यधिक मात्रा के एक जगह संकेन्द्रण (आय विषमता) से भी प्रशासन में दबाव समूहों का निर्माण होता है। जो प्रशासन में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है।

v) सामाजिक तथा आर्थिक रूप से पिछड़ा व्यक्ति जल्दी से अपना जीवनस्तर सुधारने के प्रयास में अनैतिक तथा भ्रष्टाचार के उपायों का सहारा ले लेता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(b)** The moral worth of an action depends not on the consequences that flow from it, but on its motivation. Explain the statement with the help of suitable examples. **10**

किसी कार्यवाही का नैतिक मूल्य इससे प्राप्त होने वाले परिणामों पर नहीं, बल्कि उसकी अभिप्रेरणा पर निर्भर करता है। उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से इस कथन की व्याख्या कीजिए।

समाज में व्याप्त ज्यादातर नैतिक प्रतिमान प्रारम्भ में एक सामान्य कार्य रहे थे जिनकी कार्य अभिप्रेरणा देखकर समाज ने उन्हे नैतिक प्रतिमानों के रूप में अपना लिया।

वस्तुतः कोई भी कार्य नैतिक तथा अनैतिक इस आधार पर होता है कि उससे प्राप्त परिणाम उचित है या अनुचित किन्तु आधुनिक समय में इसकी व्यापक अवधारणा के तहत परिणाम के साथ-साथ उनकी अभिप्रेरणा (अर्थात इसका समाज में कैसा संदेश गया) भी प्रमुख है।

जैसे कि निर्भया रेप या किसी जघन्य अपराध के दोषी को

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

मृत्युदण्ड देना कहीं से भी अनुचित नहीं कहा जा सकता है। किन्तु मृत्युदण्ड के जरिये समाज में यह संदेश देने का प्रयास किया जाता है कि अपराधी व्यक्ति को सजा मिलती है और यदि अपराध जघन्य है, तो फिर उसके लिए नैतिकता के नियमों को तोड़कर समाज के व्यापक हित का ध्यान रखा जाता है।

इसी प्रकार अच्छे कार्य करने वाले किसी व्यक्ति को पुरस्कृत करने का एकमात्र उद्देश्य उसके द्वारा किये गये कार्य की नैतिक अभिप्रेरणा को समाज के अन्दर प्रसारित करना होता है। ताकि समाज में अच्छा प्रभाव पड़े।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. The universal adoption of common good approach poses the ethical dilemma of putting collective interests over and above the individual interests. Discuss with examples. 10

कॉमन गुड (सार्वजनिक शुभ) के दृष्टिकोण का सार्वभौमिक अंगीकरण व्यक्तिगत हितों के ऊपर सामूहिक हितों को रखने की नैतिक दुविधा उत्पन्न करता है। सोदाहरण चर्चा कीजिए।

सार्वजनिक शुभ के तहत व्यक्ति के व्यक्तिगत हित के स्थान पर समाज के हित को प्राथमिक माना जाता है जबकि व्यक्तिगत हित के तहत व्यक्ति स्वयं के हित के बाद समाज की ओर ध्यान देता है।

सार्वजनिक शुभ के सार्वभौमिक अंगीकरण के चलते व्यक्तिगत हितों से थोड़ा समझौता करना पड़ता है जैसे तीन तलाक की समाप्ति सामाजिक हित है, इससे कुछ मनोधनीय लोगों का व्यक्तिगत हित बाधित होता है।

इसी प्रकार सबरीमाला विवाद भी लिंग विशेष के व्यक्तिगत हितों के ऊपर एक सार्वजनिक शुभ को वरीयता देता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

किन्तु यदि व्यक्तिगत हितों तथा सार्वजनिक हितों के मूल को समझें तो द्वन्द की स्थिति उत्पन्न नहीं होगी। चूँकि मनुष्य सामाजिक प्राणी है और उसका हित तथा अन्य मनुष्यों के हित का समुच्चय ही सार्वजनिक हित कहलाता है।

अतः यदि कभी-कभी व्यक्तिगत हित तथा सार्वजनिक हित में द्वन्द की स्थिति हो तो ज्यादा व्यापक नजरिये से सोचना चाहिए क्योंकि कभी-कभी कोई हित बहु-आयामी होता है और उसी हित में हमारा व्यक्तिगत हित भी पूरा होता है।

इस प्रकार सार्वजनिक हित तथा व्यक्तिगत हित एक दूसरे के पूरक होते हैं। जिनमें विरोध नहीं सहयोग होना चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. Compassion should never be considered as weakness, but rather as an essential element for providing a congenial administrative working environment. Discuss. **10**

करुणा (संवेदना) को कभी भी दुर्बलता नहीं समझा जाना चाहिए, बल्कि इसे सौहार्दपूर्ण प्रशासनिक कामकाज का वातावरण प्रदान करने हेतु एक आवश्यक तत्व माना जाना चाहिए। चर्चा कीजिए।

करुणा से तात्पर्य है कि किसी दूसरे व्यक्ति की मजबूरी, दुःख, दर्द को समझ कर उसके प्रति दयाभाव से युक्त हो जाना तथा उसकी सहायता हेतु कर्तव्य युक्त हो जाना।

सिविल सेवक के अन्दर करुणा का यह गुण अति आवश्यक माना गया है, क्योंकि इनके पास आने वाली ज्यादातर जनता दुःखी तथा असहाय होती जिनसे यदि इनका संचार भावनात्मक स्तर पर कायम होगा तो न केवल उनका प्रशासन पर भरोसा रहेगा। बल्कि कल्याणकारी योजनाओं की प्रभाविता भी बढ़ेगी।

कभी-कभी करुणा को

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

लोग भावनात्मक दुर्बलता समझ लेते हैं जो कि सही नहीं है। वस्तुतः करुणा एक प्रकार की भावनात्मक बुद्धिमता है जो सामने बैठे व्यक्ति की भावनाओं को समझ कर उसका प्रबंधन करने की क्षमता प्रदान करती है।

करुणा के चलते ही व्यक्ति सिविल सेवा के अपने कर्तव्य को अच्छी तरीके से निभा पाता है। वस्तुतः जब उसे पता होता है कि उसका मूल उद्देश्य वंचित लोगों का उद्धार करना है तथा उनके कल्याण हेतु जब हृदय में करुणा की भावना का प्रसार होता है तो व्यक्ति अपना कर्तव्य पूरे जोश तथा उत्साह के साथ निभाता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. Explain what you understand by the following values and discuss their importance for civil services: 10

स्पष्ट कीजिए कि आप निम्नलिखित मूल्यों से क्या समझते हैं और सिविल सेवाओं के लिए उनके महत्व की विवेचना कीजिए:

(a) Professionalism
व्यावसायिकता

व्यावसायिकता के तहत किसी व्यवसाय विशेष से सम्बन्धित गुणवत्ता, कार्य परिचालन, नीति सम्बन्धी मूल्यों के अनुपालन में है ताकि व्यवसाय का मुख्य उद्देश्य केवल लाभ अर्जित करना न होकर समाज का उचित विकास तथा कल्याण हो।

वस्तुतः व्यवसायिक मूल्य के तहत अपने उत्पाद के बारे में सही जानकारी उपभोक्ता को देना तथा कर सम्बन्धी, विज्ञापन सम्बन्धी आदि व्यवसायिक नियमों का पालन करना शामिल है। इसी प्रकार ~~यदि~~ व्यवसायिक मूल्य में कुछ हद तक कार्पोरेट सोशल जिम्मेदारी को भी शामिल किया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) Nishkama Karma
निष्काम कर्म

निष्काम कर्म की अवधारणा का सबसे अच्छा उद्धरण गीता में किया गया है जिसका अर्थ है कि कर्म को बिना फल की इच्छा के करना चाहिए। जैसा कर्म होगा फल वैसा ही प्राप्त होगा। तुम्हें केवल कर्म पर ध्यान देना है। जिसमें कर्म करना तुम्हारा कर्तव्य होना चाहिए तथा व्यक्तिगत लाभ की इच्छा नहीं जुड़ी होनी चाहिए।

सिविल सेवा में बढ़ती भ्रष्टाचार, प्रशासनिक लापरवाही की प्रवृत्ति को इसके जरिये रोका जा सकता है। वास्तव में जब सिविल सेवक अपनी जिम्मेदारी बिना किसी लालच के स्वकर्तव्य समझकर पूरी करेगा तो प्रशासन की दक्षता तथा पहुँच में भी वृद्धि होगी

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

9. There have been widespread agitations both in favour of and against extending reservation in educational institutions and government jobs to a certain section of the society. You have been appointed as the chairman of a high level committee, constituted by the government to examine the matter and make recommendations. So far, the committee has found no compelling reasons to extend reservation to this section. While the report of the committee is pending finalization, you get an impression through the media that the government is inclined to accept the demand for extending the reservation, regardless of the findings of your committee. Some members of the committee are also inclined to support the government stand.

(a) Discuss the dilemma, if any, that you face in this situation.

(b) What course of action would you take? Give reasons for the same.

(c) Also discuss the ethical issues involved with the policy of affirmative action in India. **20**

समाज के एक निश्चित वर्ग के लिए शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी नौकरियों में आरक्षण का विस्तार करने के पक्ष और विपक्ष में व्यापक आंदोलन हुए हैं। आपको इस मामले की जांच करने और अनुशंसाएं देने हेतु सरकार द्वारा गठित एक उच्च स्तरीय समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। अभी तक, समिति द्वारा इस वर्ग को आरक्षण प्रदान करने के पक्ष में कोई ठोस कारण नहीं पाया गया है। यद्यपि समिति की रिपोर्ट को अंतिम रूप प्रदान किया जाना अभी शेष है, आपको मीडिया के माध्यम से ऐसे संकेत प्राप्त होते हैं कि सरकार आपकी समिति के निष्कर्षों पर ध्यान दिए बिना ही आरक्षण में वृद्धि करने संबंधी मांग को स्वीकार करने की इच्छुक है। समिति के कुछ सदस्य भी सरकार के इस पक्ष का समर्थन करते हैं।

(a) इस स्थिति में आपके द्वारा सामना की जाने वाली दुविधा, यदि कोई हो, पर चर्चा कीजिए।

(b) आप क्या कार्रवाई करेंगे? उसके कारण भी बताइए।

(c) भारत में सकारात्मक कार्रवाई की नीति में शामिल नैतिक मुद्दों की भी चर्चा कीजिए।

उपर्युक्त परिस्थितियों में आरक्षण का मुद्दा, जो कि हमेशा से भारतीय राजनीति में संवेदनशील रहा है, विद्यमान है। चूंकि इसका सम्बन्ध व्यापक तौर पर वंचित वर्गों के आर्थिक

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सामाजिक, शैक्षिक विकास से जुड़ा है और मुझे इससे सम्बन्धित समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। ऐसे में मैं निम्न कदम उठाऊँगा :-

a) पहली स्थिति में दुविधा यही है कि जब सरकार द्वारा अपना मन आरक्षण के पक्ष में बना लिया है, तो मैं सही से विश्लेषण करूँ या न करूँ अथवा अपनी अनुशंसाओं में सरकार के पक्ष में रिपोर्ट दे दूँ।

हालांकि यह कदम ठीक नहीं रहेगा। क्योंकि ऐसे संकेत ही प्राप्त हुए हैं और मेरा कार्य अर्थात व्यवसायिक नैतिकता भी मुझे इसकी अनुमति नहीं देगी। ऐसी स्थिति में

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

विभिन्न मांगो पर उचित विश्लेषण द्वारा आरक्षण के पक्ष तथा विपक्ष में अपनी रिपोर्ट सरकार को सौपूँगा। उसकी अनुशंसाओ को मानना या न मानना सरकार का विशेषाधिकार है।

b) इसके लिए मैं विभिन्न क्षेत्रों में जाकर समुदायों की आर्थिक, सामाजिक तथा शैक्षणिक स्थिति का आकलन करूँगा। तथा उसके आधार पर यह निष्कर्ष निकालना उचित रहेगा कि विविध समुदायों की माँग उचित है अथवा अनुचित।

चूँकि मेरी समिति का मुख्य कार्य ही आरक्षण देने या न देने के सम्बन्ध में रिपोर्ट तथा अनुशंसा देना है। अतः व्यवसायिक

नैतिकता तथा उत्तरदायित्व की पूर्ति हेतु मैं ऐसा करूँगा। इसी प्रकार आरक्षण का मूल उद्देश्य भारत में तर्कसंगत आधार पर सकारात्मक कारवाई करना है। अतः यदि किसी समुदाय को इसकी वास्तव में जरूरत है। तो इस हेतु एक निष्पक्ष तथा समुचित जाँच जरूरी है जो कि मेरा उत्तरदायित्व है और मुझे इसे पूरा करना ही होगा।

c) भारत में सकारात्मक कारवाई में विभिन्न नैतिक मुद्दे शामिल है जैसे कि

i) इसका उद्देश्य वंचितों का उत्थान था। किन्तु आज इसका उपयोग वंचित वर्ग के धनी तथा समर्थ

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

लोग ज्यादा कर रहे हैं। जिसके कारण उचित लोगों को लाभ नहीं मिल पा रहा है।

ii) आरक्षण का मुद्दा सकारात्मक कार्रवाई से ज्यादा वोट बैंक की राजनीति से जुड़ गया है। जिसके कारण इसमें तर्कसंगत विभेद का आधार खत्म हो रहा है।

iii) आरक्षण के द्वारा सामाजिक समूहों का आर्थिक उत्थान तो हो रहा है किन्तु सामाजिक तौर पर इनकी भी उनकी स्थिति बहुत बेहतर नहीं हुयी है। जिसके कारण आरक्षण की नीति को पूर्णतया सफल नहीं माना जा सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. You are an honest and responsible civil servant. You often observe the following:

(a) If one wants to remain effective and powerful to create impact on the lives of people, one should remain loyal to those in power.
(b) Following ethical means may not be practical and effective at all times.
(c) Petty corruption expedites the service delivery.

Examine the above statements with their merits and demerits. **20**

आप एक ईमानदार और उत्तरदायी सिविल सेवक हैं। आप प्राय: निम्नलिखित का अवलोकन करते हैं:
(a) यदि कोई व्यक्ति लोगों के जीवन पर प्रभाव डालने के लिए प्रभावी और शक्तिशाली बने रहना चाहता है, तो उसे सत्ता में रहने वालों के प्रति निष्ठावान बने रहना चाहिए।
(b) नैतिक साधनों का अनुसरण करना हर समय व्यावहारिक और प्रभावी नहीं हो सकता है।
(c) छोटा-मोटा भ्रष्टाचार सेवा वितरण में तेजी लाता है।
उपर्युक्त कथनों का उनके गुण-दोष के आधार पर परीक्षण कीजिए।

a) इस कथन में निम्नलिखित धनात्मक बिंदु हैं:-
i) सत्ता के निकट होने के चलते आप अपनी कल्याणकारी तथा विशेष नीतियों को बिना किसी रुकावट के लागू कर पायेंगे।
ii) सत्ता से निकटता आपको पर्याप्त सामर्थ्य प्रदान करती है तथा अवांछित तथा अनैतिक लोगों से पर्याप्त सुरक्षा भी प्रदान करती है।
iii) इसी प्रकार सत्ता के प्रति निष्ठावान रहने से अपने प्रशासनिक तथा व्यक्तिगत कर्तव्यों की पूर्ति सरलता से कर

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

सकेंगे।

हानियाँ:- i) इससे सिविल सेवा का राजनीतिकरण हो जायेगा तथा यह सिविल सेवा के स्थायित्व के लिए उचित नहीं।

ii) सत्ता में भ्रष्ट व्यक्ति के आ जाने से आप लोगों का कल्याण नहीं कर सकेंगे।

iii) उनकी अनुचित तथा विभेदकारी नीतियों को भी लागू करना होगा जो कि सिविल सेवक का कर्तव्य नहीं है।

b) इस कथन में निम्न सकारात्मक बिंदु हैं:-

i) कभी-कभी कुछ अपराधी ज्यादा खतरनाक हो जाते हैं जिनका विनाश नियम विरुद्ध जाकर करना पड़ता है।

ii) नैतिक साधनों में कभी-कभी कुछ जरूरतमंद लोग जो कि वास्तविक रूप

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

से लाभ के हकदार हैं। वो छूट जाते है और उनके लिए नियम में ढील दी जा सकती है।

iii) इसी प्रकार सिस्टम में व्याप्त अनैतिकता से निपटने हेतु कभी-कभी छोटी-मोटी अनैतिकता की जा सकती है।

हानियाँ:- i) इसके द्वारा प्रशासन में छोटे स्तर पर ही सही अनैतिकता को प्रोत्साहन मिलता है।

ii) अनैतिक साधनों का अनुसरण करना व्यक्तिगत हित पर आधारित होने का खतरा विद्यमान हो जाता है।

iii) इसी प्रकार जब व्यक्ति एक बार नैतिकता से विचलित हो जाता है तो उसके अन्दर विचलन की आवृत्ति तथा तीव्रता दोनों ही बढ़ जाते हैं।

c) लाभ :-

i) भ्रष्टाचार से कभी-कभी ज्यादा जरूरतमंद को मदद मिल पाती है क्योंकि सेवा वितरण हेतु आवश्यक दस्तावेज नहीं होते हैं उसके पास

ii) इसी प्रकार भ्रष्टाचार से प्रशासक को भी व्यक्तिगत लाभ होता है, जिसके चलते उसके अन्दर कार्य करने का साहस तथा जुनून विद्यमान रहता है जो कि सेवा वितरण में तेजी लाता है।

iii) छोटे-मोटे भ्रष्टाचार से नौकरशाही तथा लालफीताशाही पर काफी हद तक अंकुश लगाया जा सकता है।

हानियाँ :-

i) भ्रष्टाचार की भूख धीरे-धीरे बढ़ती जाती है और सेवा [illegible]

वितरण विघ्नभावी हो जाता है।
ii) अपने हक के लिए भी प्रशासन को पैसे देना अनैतिक तथा अनुचित है।
iii) प्रशासन में लालच तथा आर्थिक असमानता का विस्तार होगा।
iv) सेवा वितरण करना सिविल सेवक का उत्तरदायित्व है जिसे उसे निष्काम कर्म की अवधारणा से पूरा करना चाहिए न कि भ्रष्टाचार द्वारा प्राप्त होने वाले आर्थिक लाभ की आशा में।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. Recently, two national level sportspersons who are integral members of their team, made some comments in a talk show which were perceived as being grossly misogynistic and racist. This created a huge controversy and they were temporarily suspended from the team pending an enquiry. In light of these events, answer the following questions:

(a) Do you think public figures have an additional responsibility in so far as expressing their views on matters of public importance is concerned? Give reasons.

(b) According to you, what are the reasons that some prominent public figures make such misogynistic comments, and even get away without any consequences?

(c) As the person in charge to enquire into the conduct, what factors would you consider to examine it and what punishment, if any, would you prescribe in this specific case? **20**

हाल ही में, राष्ट्रीय स्तर के दो खिलाड़ियों, जो अपनी टीम के अभिन्न सदस्य हैं, ने एक टॉक शो में कुछ टिप्पणियां कीं, जिन्हें नारी-द्वेषी (मिसॉजिनिस्टिक) और जातिवादी माना गया। इससे एक बहुत बड़ा विवाद उत्पन्न हो गया और उन्हें जाँच पूरी होने तक टीम से अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया। इन घटनाओं के आलोक में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) क्या आप मानते हैं कि जहां तक सार्वजनिक महत्व के विषयों पर अपने विचारों को व्यक्त करने की बात है, सार्वजनिक हस्तियों पर अतिरिक्त उत्तरदायित्व होता है? कारण बताएं।

(b) आपके अनुसार, क्या कारण है कि कुछ प्रमुख सार्वजनिक हस्तियां इस प्रकार की नारी-द्वेषी (मिसॉजिनिस्टिक) टिप्पणियां करती हैं और यहां तक कि बिना किसी परिणाम के बच निकलती हैं?

(c) इस आचरण की जाँच-पड़ताल करने वाले प्रभारी व्यक्ति के रूप में, इसका परीक्षण करने के लिए आप किन कारकों पर विचार करेंगे और आप इस विशिष्ट प्रकरण में क्या दंड, यदि कोई हो, निर्धारित करेंगे?

a) हाँ, मैं सहमत हूँ कि सार्वजनिक हस्तियों पर अतिरिक्त उत्तरदायित्व होता है। क्योंकि जब आपका जीवन केवल व्यक्तिगत न रहकर सार्वजनिक स्तर पर लोगों के विचारों तथा कार्यों को प्रभावित करने लगे तो

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

आपको संयम तथा समझदारी भरा व्यवहार करना चाहिए। चूंकि यह बात सार्वजनिक मंच पर बोली गयी थी जिसको कई लोग देख रहे थे और इसके चलते उन पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ा होगा जो कि सही नहीं है। वैसे भी अभिवृत्ति निर्माण में प्रसिद्ध तथा सार्वजनिक व्यक्तियों के आचरण तथा ~~वक्तव्यों~~ का बहुत प्रभाव पड़ता है अतः उन्हें जिम्मेदारी वाला व्यवहार करना चाहिए खासकर सार्वजनिक मंच पर

b) कभी - कभी इस प्रकार की टिप्पणी में पश्चिमीकरण की संस्कृति का बेहद खुलापन जिम्मेदार होता है। जिसका अनुसरण करने वाले केवल

आधी बात ही समझते हैं। वह यह तो समझते हैं कि आपको हर प्रकार की स्वतंत्रता है किन्तु इसके पीछे छिपे तर्क को कि यह स्वतंत्रता आपको किसी का अपमान करने का अधिकार नहीं देती है, नहीं समझते हैं।

दूसरी तरफ कभी-कभी इसके पीछे पारिवारिक पृष्ठभूमियाँ तथा शिक्षा के स्तर पर व्यक्ति द्वारा ग्रहण किये गये मूल्य भी शामिल होते हैं तो पितृसत्तात्मक समाज की सोच भी इसके लिए जिम्मेदार है जहाँ केवल नारी को भोग-वस्तु समझा जाता है।

-मीडिया, फिल्म आदि में ऐसी टिप्पणियों को कभी-कभी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रचार तथा ध्यान आकर्षित करने हेतु व टी आर पी बढ़ाने के उपाय के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता है।

c) मेरी जाँच पड़ताल में सबसे प्रमुख विषय दिया गया वक्तव्य तथा उसकी परिस्थितियाँ रहेंगी और इसमें उस हस्ती का पिछला रिकार्ड भी शामिल होगा।

यदि वह टिप्पणी ज्यादा प्रतिकूल न होकर उपहास के साथ उत्तेजना के माहौल में की गयी है तो उसे थोड़ा उदारता से निबटा जा सकता है। वहीं यदि सार्वजनिक हस्ती की यह ~~पहली~~ पहली गलती है तो इसे खेल से कुछ

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

महीनों के निलंबन, सार्वजनिक माफी तथा सामाजिक सेवा की जिम्मेदारी देकर सुलझाया जा सकता है।

वहीं यदि यह टिप्पणी गंभीर प्रकृति की है तथा बार-बार की गयी है तो इस सम्बन्ध में सख्त सजा का होना जरूरी है, क्योंकि यह एक समूह विशेष के जीवन व गरिमा के अधिकार का उल्लंघन है, वह भी सार्वजनिक तौर पर। ऐसे में निलंबन की अवधि बढ़ाना, आर्थिक जुर्माना जैसे कदम भी उठाये जा सकते हैं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. There are large number of leather industries in a major industrial town of India. They provide employment to large number of people and are also a prominent source of revenue for the state. Lately it has been observed that despite following the present emission control rules, the collective ecological footprint of these industries remains quite high affecting the surrounding areas in an adverse manner. The new technologies available for emission control are quite costly and thus acts as a disincentive for the owners of the industries for adopting them.

In light of this information, the government is contemplating the following options:

(a) Shutting down the industries in the region

(b) Relocating the industries to a new region

(c) Making the emission control rules stricter

(d) Providing incentives to the industry owners for adoption of new technology.

Analyse the above options in terms of their merits and demerits. What course of action would you choose and why? **20**

भारत के एक प्रमुख औद्योगिक शहर में बड़ी संख्या में चमड़ा उद्योग हैं। वे बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार प्रदान करते हैं और राज्य के लिए राजस्व का एक प्रमुख स्रोत भी हैं। हाल ही में यह देखा गया कि वर्तमान उत्सर्जन नियंत्रण नियमों का पालन करने के बावजूद, इन उद्योगों का सामूहिक पारिस्थितिकीय फुटप्रिंट काफी अधिक बना हुआ है जिससे आसपास के क्षेत्र प्रतिकूल रूप से प्रभावित हो रहे हैं। उत्सर्जन नियंत्रण के लिए उपलब्ध नई प्रौद्योगिकियां काफी महंगी हैं और इस प्रकार ये इन उद्योगों के स्वामियों द्वारा अपनाए जाने को हतोत्साहित करती हैं।

इस जानकारी के आलोक में, सरकार निम्नलिखित विकल्पों पर विचार कर रही है:

(a) इस क्षेत्र में उद्योगों को बंद करना।

(b) एक नए क्षेत्र में उद्योगों को स्थानांतरित करना।

(c) उत्सर्जन नियंत्रण नियमों को और सख्त बनाना।

(d) नई प्रौद्योगिकी को अपनाने हेतु उद्योगों के स्वामियों को प्रोत्साहन प्रदान करना।

उपर्युक्त विकल्पों का उनके गुण-दोष के आधार पर विश्लेषण कीजिए। आप क्या कार्यवाही अपनाएंगे और क्यों?

a) इस विकल्प के अपनाने से प्रकृति का संरक्षण होगा तो साथ ही स्वास्थ्य तथा मृदा संबंधी परेशानियाँ भी समाप्त होंगी किन्तु बहुत से

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

लोगों का रोजगार छिन जायेगा, राजस्व हानि होगी तथा उत्पादन न होने पर आयात को बढ़ाना पड़ेगा जिससे विदेशी मुद्रा खर्च बढ़ेगा।

b) नये क्षेत्र में उद्योगों को स्थानांतरित करने से प्रभावित क्षेत्र का संरक्षण तो हो जायेगा किन्तु कुछ समय पश्चात वहाँ भी ऐसी ही समस्यायें देखने को मिलेंगी।

c) उत्सर्जन नियंत्रण नियमों को सख्त बनाने से, उत्सर्जन कम होगा तथा पारिस्थितिकी प्रतिकूलता नियंत्रित होगी तथा रोजगार व राजस्व सम्बन्धी समस्यायें उत्पन्न होंगी। इसी क्रम में नियमों के उल्लंघन के क्रम में इंस्पेक्टर राज, भ्रष्टाचार, उद्योग प्रतिकूल

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

वातावरण का निर्माण होगा जो कि समाज व देश की अर्थव्यवस्था के लिए घातक सिद्ध होगा।

d) इस विकल्प को अपनाने से उत्सर्जन नियंत्रण सम्बन्धी नवीन तकनीकें आ जायेंगी जिससे उत्सर्जन नियंत्रण होगा किन्तु इसके चलते सरकार तथा उद्योगों के स्वामियों की उत्पादन की आर्थिक वहनीयता खतरे में पड़ जायेगी

इस प्रकार उपर्युक्त तथ्यों से स्पष्ट है कि केवल एक प्रकार के विकल्प से इस समस्या का समाधान नहीं होगा। इसके लिए सर्वप्रथम उत्सर्जन संबंधी मानकों को कड़ा करना होगा तथा भ्रष्टाचार को रोकने हेतु कार्बन क्रेडिट जैसी

अवधारणा को लागू किया जा सकता है।

इसी क्रम में यदि उद्योगों से स्थानीय भूजल या पारिस्थितिकी तंत्र ज्यादा प्रतिकूल रूप से प्रभावित हो गया है तो उद्योगों को दूसरे निर्जन स्थान पर स्थानांतरित करना सही होगा तथा वहां उत्सर्जन संबंधी ये समस्यायें पुनः न उठे इसके लिए उत्सर्जन तकनीकों को अपनाने हेतु सरकार को प्रोत्साहन प्रदान करना चाहिए।

क्योंकि पर्यावरण प्रदूषण न केवल आर्थिक बल्कि सामाजिक, स्वास्थ्य आदि कई रूपों में हानिकारक होता है। इसे निपटने हेतु उद्योगों को पर्यावरण हितैषी बनाना।

ही होगा। और इसके लिए सरकार द्वारा तथा व्यक्तिगत स्तर पर दोनों पर प्रयास करना जरूरी है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. Many coal mines in a district subject the workers to inhuman working conditions with little safety measures in place. As such, there have been several accidents and many workers have died in the past. In recognition of a recent accident where fifteen workers were trapped and died, the National Green Tribunal has ordered for closure of all such mines. Some of them have shut down, but many still continue to operate by getting an exception from the government, sometimes using the unholy nexus of politicians-miners-bureaucrats. In absence of alternative employment, the locals have no other choice but to work in mines. The mine owners are in-fact inciting the workers to protest to simultaneously put a pressure on the state to completely overturn the ban. As a District Magistrate of this district, you have been asked by the State government to prepare a report on this issue and give recommendations to resolve it. In this regard, answer the following questions:

(a) Identify the interests of State and analyse whether there may be a conflict amongst them?

(b) Given that economic growth is often achieved with a large human cost, identify the principles and strategies which could be used in the given case to achieve desirable outcomes. **20**

एक जिले की कई कोयला खदानों में श्रमिकों की कार्य दशाएँ अमानवीय हैं और उनकी सुरक्षा के उपाय नगण्य हैं। इस प्रकार, अतीत में कई दुर्घटनाएं हुई हैं तथा कई श्रमिकों की भी मृत्यु हुई है। हाल ही में हुई एक दुर्घटना का संज्ञान लेते हुए, जिसमें पंद्रह श्रमिक फंस गए थे और उनकी मृत्यु हो गई थी, राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने ऐसी सभी खदानों को बंद करने का आदेश दिया है। उनमें से कुछ को बंद कर दिया गया है, लेकिन अभी भी कई खदानें, कभी-कभी राजनेताओं-खनिकों-नौकरशाहों के गलत गठजोड़ का उपयोग करते हुए, सरकार से छूट प्राप्त करके परिचालन जारी रखे हुए हैं। वैकल्पिक रोजगार के अभाव में, स्थानीय लोगों के पास खदानों में काम करने के अतिरिक्त और कोई विकल्प नहीं है। खदान स्वामी वास्तव में प्रतिबंध को पूरी तरह से समाप्त करने हेतु राज्य पर एक साथ दबाव डालने के लिए मजदूरों को विरोध करने के लिए उकसा रहे हैं। इस जिले के एक जिला मजिस्ट्रेट के रूप में, आपसे राज्य सरकार द्वारा इस मुद्दे पर एक प्रतिवेदन तैयार करने और इसका समाधान करने हेतु अनुशंसाएं देने के लिए कहा गया है। इस संबंध में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) राज्य के हितों की पहचान कीजिए और विश्लेषण कीजिए कि क्या उनके मध्य कोई संघर्ष हो सकता है?

(b) यह देखते हुए कि आर्थिक संवृद्धि प्रायः अत्यधिक मानवीय लागत के साथ प्राप्त होती है, उन सिद्धांतों और रणनीतियों की पहचान कीजिए, जिनका दिए गए प्रकरण में वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए उपयोग किया जा सकता है।

a) राज्य का सर्वप्रमुख हित जनता का कल्याण है तो इसके साथ ही जनता का आर्थिक, सामाजिक विकास

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भी आवश्यक है जो कि यहाँ वैकल्पिक रोजगार के साधन के अभाव के चलते कोयला खनन पर ही पूर्णतया निर्भर दिखाई पड़ता है। इसी प्रकार राज्य का अपना आर्थिक हित भी है जो कोयला खनन द्वारा राजस्व व आर्थिक संसाधन के रूप में ऊर्जा हेतु कोयले के उपयोग द्वारा पूरा होता है।

राज्य के हितों में संघर्ष विद्यमान हो सकता है क्योंकि यदि कोयला खनन की अनुमति दी जाती है तो जान-माल की हानि के साथ-साथ जनता का भरोसा भी सरकार से कम होगा।

वहीं यदि खनन की

अनुमति न दी गयी तो राज्य को आर्थिक नुकसान तो होगा ही साथ ही आर्थिक व सामाजिक संवृद्धि भी प्रभावित होगी तथा बेरोजगारी तथा स्थानीय मिल मालकों के उकसाने से क्षेत्र में सामाजिक अशांति भी फैल सकती है।

b) यह मान्यता कि आर्थिक संवृद्धि प्रायः अत्यधिक मानवीय लागत के साथ प्राप्त होती है ; पूर्णतया। सही नहीं है। वस्तुतः जब मानव ही नहीं होंगे तो आर्थिक संवृद्धि का क्या लाभ ? इसी प्रकार ऐसी आर्थिक संवृद्धि अपनी प्रकृति में समावेशी तथा संधारणीय नहीं कही जा सकती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपर्युक्त परिस्थिति में निम्न कदम उठाना ठीक रहेगा:

i) खनन विनियमन संबंधी नियमों को कड़ाई से लागू करना जिसमें खदानों में सुरक्षा उपायों को करवाना, खनन हेतु मानवीय दशाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करवाना शामिल है।

ii) खदान स्वामियों को यह समझाना कि अगर सुधारात्मक कार्य नहीं किये तो अन्ततः खदान बंद होने से नुकसान उनका ही होगा।

iii) मजदूरों के बीच सुरक्षा तथा बचाव संबन्धी जागरूकता का प्रसार करना ताकि वह आपातकालीन स्थिति से निपटने में सक्षम हो सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

iv) इसी क्रम में खदानों के क्षेत्र में अन्य वैकल्पिक रोजगारों की उपस्थिति को बढ़ावा दिया जा सकता है जिनमें विभिन्न प्रकार के लघु एवं कुटीर उद्योग शामिल हैं।

v) भागीदारी प्रयास के रूप में खनन गतिविधि को विनियमित करना ताकि खतरनाक प्रकार की विधि (रैट-होल माइनिंग) पर नियंत्रण किया जा सके तथा इसमें जोखिमों को कम करते हुए अपेक्षित सुधार किये जा सकें।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. Recently you were posted as a District Magistrate of a predominantly agricultural district, which has been one of the best performers in agriculture since the last decade. In one of your field visits, you find that the large landowners, who are a socially, politically and economically powerful group, employ domestic helps and agriculture labour who are informally tied to them and have been working there since generations. In return, these workers are provided basic amenities like food and shelter apart from some money. However, you do sense a violation of basic human rights in this situation.

In light of the above case, answer the following questions:

(a) Identify the stakeholders, their interests and ethical issues involved in the case.

(b) How does denial of choice amount to violation of human rights?

(c) What course of action would you take? Give reasons. **20**

हाल ही में आपको मुख्यतः कृषि आधारित एक जिले के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में पदस्थापित किया गया है। यह जिला पिछले दशक से कृषि में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनकर्ताओं में से एक रहा है। एक ग्रामीण क्षेत्र के भ्रमण में आप पाते हैं कि बड़े भू-स्वामी, जो सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक रूप से शक्तिशाली समूह हैं, ऐसे घरेलू सहायकों और कृषि मजदूरों को नियोजित किए हुए हैं, जो अनौपचारिक रूप से उनसे बंधे हुए हैं और कई पीढ़ियों से वहां काम कर रहे हैं। बदले में इन श्रमिकों को कुछ पैसों के अतिरिक्त भोजन और आश्रय जैसी आधारभूत सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। फिर भी, आपको इस परिस्थिति में मूलभूत मानवाधिकारों के उल्लंघन की अनुभूति होती है।

उपर्युक्त प्रकरण के आलोक में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में सम्मिलित हितधारकों, उनके हितों और नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) किस प्रकार चयन की वंचना मानवाधिकारों का उल्लंघन है?

(c) आप क्या कार्यवाही करेंगे? कारण बताइये।

a) उपर्युक्त परिस्थिति में भू-स्वामी, मजदूर, किसान वर्ग तथा राज्य के रूप में तीन हितधारक मौजूद हैं। भू-स्वामी का हित है कि उसे कृषि हेतु सस्ता श्रम उपलब्ध हो रहा है तथा इस वजह से उत्पादन भी अधिक है तथा मजदूरों के

उसके साथ बँधे होने से मजदूरी में वृद्धि, सामाजिक सुरक्षा, श्रम में कमी जैसी समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ता है।

वहीं मजदूरों व श्रमिकों का हित है कि इन्हें लगातार श्रम की उपलब्धता है किन्तु आधारभूत जीवन की सुविधाओं के अलावा गरिमापूर्ण जीवन का अभाव है। तथा यहाँ मानव की अभिव्यक्ति तथा व्यक्तिगत स्वतंत्रता का भी हनन हो रहा है तो बँधुआ मजदूरी किसी भी तरीके से नैतिक नहीं मानी जा सकती है।

इसी प्रकार राज्य द्वारा लागू कल्याणकारी राज्य की अवधारणा का खंडन हो रहा है। हालांकि कृषि उत्पादन में वृद्धि से खाद्यान्न सुरक्षा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

राजनैतिक छवि का अच्छा होना जैसे सकारात्मक पहलू जुड़े हैं किन्तु यह मानवीय गरिमा, श्रम तथा स्वतंत्रता के मूल्य पर हो रहा है। जो कि एक लोकतांत्रिक राज्य में स्वीकार्य नहीं हो सकता है।

b) चयन की वंचना से व्यक्ति के मूल अधिकारों का उल्लंघन होता है। वस्तुतः इस परिस्थिति में व्यक्ति अधिक अच्छी तथा सुविधा जनक परिस्थितियों की उपलब्धता के बावजूद अपना व्यवसाय नहीं बदल सकता। जिसके कारण उसकी सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक स्थिति में प्रगति तथा सुधार की संभावना समाप्त हो जाती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

केवल आधारभूत सुविधाओं की पूर्ति होना ही आवश्यक नहीं है। अपितु व्यक्ति के सम्पूर्ण विकास की सारी परिस्थितियों को उपलब्ध कराना राज्य का उत्तरदायित्व है और इन्हें चुनने तथा अपनाने की स्वतंत्रता भी होनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना भी राज्य की जिम्मेदारी है।

c) इस परिस्थिति में सबसे पहले इन श्रमिकों में उनकी वास्तविक स्थिति के सम्बन्ध में जागरूकता का प्रसार करना होगा तथा उन्हें इनके अधिकारों के बारे में जागरूक करना होगा। ताकि वे स्वयं ही बंधुआ मजदूरी न करें। दूसरी तरफ भू-स्वामियों

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

को बंधुआ मजदूरी के आर्थिक तथा विधिक दण्ड के बारे में बताकर उन्हे उन मजदूरों को मुक्त करने को कहूँगा तथा यदि जरूरत पड़ी तो कानूनी कार्रवाई भी करूँगा।

इसी क्रम में उन मजदूरों को दुबारा इन भू-स्वामियों द्वारा न परेशान किया जाये इसकी व्यवस्था भी करूँगा तथा बंधुआ मजदूरी पुनर्वास अधिनियम के तहत उनके पुनर्वास का भी प्रबन्ध करूँगा।